कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.एच.डी.–19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) हम आदमी भी हैं
और हत्यारे भी।
पहले लाशें बिछाते हैं
फिर राजनीति करते हैं
क्योंकि लाशें बिछाना
और लाशों की राजनीति करना
दोनों ही हमारी नियति बन चुकी हैं।
सच सही है।

(ख) घृणा तुम्हें मार सकती है
तोड़ सकती है
पर अपने ही दायरे में
जिन्दा नहीं रख सकती
ताजा हवा देकर
और, नहीं सुना सकती
प्रेम कविता
मौसम के रंगीन पंखों पर बैठाकर !

2. 'जनपथ' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। 10

3. दलित कहानी की विशेषताओं को उद्‌घाटित कीजिए। 10

4. 'पच्चीस चौका डेढ़ सौ' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए। 10

5. 'वैतरणी' कहानी में अभिव्यक्त दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

6. दलित कहानी के सौंदर्यशास्त्रीय प्रतिमानों को स्पष्ट कीजिए। 10

7. 'अपने-अपने पिंजरे' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

8. हिंदी साहित्य में आत्मकथन की परंपरा का विश्लेषण कीजिए। 10